झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (विविध)–17 / 2022 - 703

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 25.08.2022

विषयः– दैनिक समाचार पत्र "दैनिक जागरण" में दिनांक–22.08.2022 को प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार–पत्र "दैनिक जागरण" में दिनांक–22.08.2022 को "स्कूल में नहीं है शौचालय की व्यवस्था" शीर्षक के अन्तर्गत समाचार प्रकाशित हुई है। प्रकाशित समाचार में राँची जिला के बेड़ो प्रखण्ड के हांठु गांव में नव प्राथमिक विद्यालय की स्थिति जर्जर बताई गई है। साथ ही यह भी उल्लेखित है कि स्कूल का भवन जर्जर होने के कारण एक ही कमरे में सभी कक्षा के बच्चों की पढ़ाई होती है। साथ ही मीड–डे–मील भी बनवाया जाता है।

अतः उपरोक्त प्रकाशित समाचार–पत्र की कतरन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

25/8/22

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

दैनिक जागरण
दिनांक - 22-08-22

स्कूल में नहीं है शौचालय की व्यवस्था

जासं, रांची-बेड़ो : पढ़ेगा इंडिया तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया...। यह बात सच है कि जब तक शिक्षा नहीं मिलेगी तब तक शिक्षित समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जरा सोचिए, जब एक ही कमरे में छह कक्षाओं को एक ही शिक्षक को पढ़ाना हो तो ऐसे में कैसे पढ़ेगा इंडिया और कैसे आगे बढ़ेगा इंडिया...। बेड़ो प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर ऊपर जाने के बजाए नीचे जाता हुआ नजर आ रहा है। कहीं जर्जर भवन के कारण बच्चे स्कूल छोड़ रहे हैं तो कहीं स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं पेयजल व शौचालय न होने से उनकी हालत बदतर है। वहीं सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को बेहतर पढ़ाई के साथ अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने के सरकारी दावे धरातल पर खोखले नजर आ रहे हैं। स्थिति यह है कि गांव में स्कूल और उसमें पढ़ने वाले बच्चे भी हैं। लेकिन पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं हैं। नौनिहालों को प्रारंभिक शिक्षा के लिए छात्रों को पर्याप्त इंतजाम भी नहीं हैं। प्रखंड के हांटु गांव में नव प्राथमिक विद्यालय में पिछले कई वर्षों से एक ही पारा शिक्षक निरंजन मुंडा के भरोसे चल रहा है। इस विद्यालय में नामांकन 49 छात्र-छात्राओं का है। ऐसे में एक शिक्षक ही केजी से पांच तक के कक्षाओं को संभाल रहे हैं। स्कूल का भवन जर्जर होने के कारण एक ही कमरे में सभी कक्षा के बच्चों को पढ़ाते हैं। साथ ही मिड डे मिल भी बनवाते है। जिससे सरकारी स्कूलों में न सिर्फ पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि शिक्षा पर भी असर पड़ रहा है।

विद्यालय का खराब पड़ा शौचालय • जागरण

विद्यालय की छत का झड़ा प्लास्टर • जागरण

संसाधनों का है अभाव

प्राथमिक विद्यालयों में न पढ़ाई का माहौल है और न ही उचित संसाधन। यहां जर्जर स्कूल भवन में बचर व्यवस्था से पढ़ाई की गाड़ी को खींची जा रहा है। उससे तो यह विद्यालय कभी सही शिक्षा का रफ्तार नहीं पकड़ सकेगा। इन विद्यालयों में तो न तो संसाधन हैं और न ही उचित शिक्षा का माहौल है। इसलिए जिम्मेदारों को सरकारी विद्यालयों के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा।